डॉ. सुधीर वाघ

जन्म : 1.04.1974
माता : श्रीमती चन्द्रकान्ता
पिता : श्री गणेश वाघ
शिक्षा : एम.ए., एम.फिल. पी-एच.डी. (हिन्दी)

प्रकाशित पुस्तकें : 06

1. समकालीन हिन्दी नाटकों में राजनीतिक व्यंग्य
2. प्रभाकर माचवे का काव्य : एक अध्ययन
3. गांधी विचारों की प्रासंगिकता भाग-1 एवं 2
4. इक्कीसवीं सदी का हिन्दी साहित्य (संपादित)
5. समकालीन हिन्दी निबंध (हिन्दी साहित्य अकादमी, महाराष्ट्र शासन पुरस्कार)

- लघु शोध परियोजना (MRP) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली

विशेष सूची

- जनवादी लेखन पठन एवं समीक्षाओं में अभिरुचि
- राजभाषा राष्ट्रभाषा हिन्दी का प्रचार-प्रसार

अन्य

- अंतर्राष्ट्रीय राष्ट्रीय संगोष्ठियों में सहभाग एवं शोध निबंधों का वाचन
- अंतर्राष्ट्रीय राष्ट्रीय पत्रिकाओं में संशोधनात्मक शोध आलेख प्रकाशित

पुरस्कार

- महाराष्ट्र शासन का महाराष्ट्र हिन्दी साहित्य अकादमी का पुरस्कार 2018-19 के लिए
- राज्यस्तरीय संशोधन कार्य गौरव पुरस्कार 2016 म. ज्योतिबा फुले शिक्षा परिषद महाराष्ट्र

सम्प्रति

हिन्दी विभागाध्यक्ष शिवाजी महाविद्यालय हिंगोली 431513 (महाराष्ट्र)

संपर्क :

चन्द्रकांता निवास वैष्णवी नगर, नांदेड रोड, जिला हिंगोली 431513 (महाराष्ट्र)

ई-मेल : wagh.sudhir001@gmail.com

Also available at : Flipkart amazon

विकास प्रकाशन, कानपुर
311 सी, विश्वबैंक बर्रा, कानपुर-208027
शोरूम : 110/138 मिश्रा पैलेस, जवाहर नगर, कानपुर-12
फोन : 0512-2543549
मोबाइल : 9415154156, 9450057852
E-mail : vikasprakashankanpur@gmail.com
vikasprakashanknp@gmail.com
Website : www.vikasprakashan.com

9 789390 688258 >
₹ 395.00

PRINCIPAL
SHIVAJI COLLEGE
Dist. Hingoli

fessor
Hingoli.
...goli.(MS.)

समकालीन हिन्दी नाटकों में कथ्य और शिल्प

डॉ. सुधीर वाघ

समकालीन हिन्दी नाटकों में कथ्य और शिल्प

डॉ. सुधीर वाघ

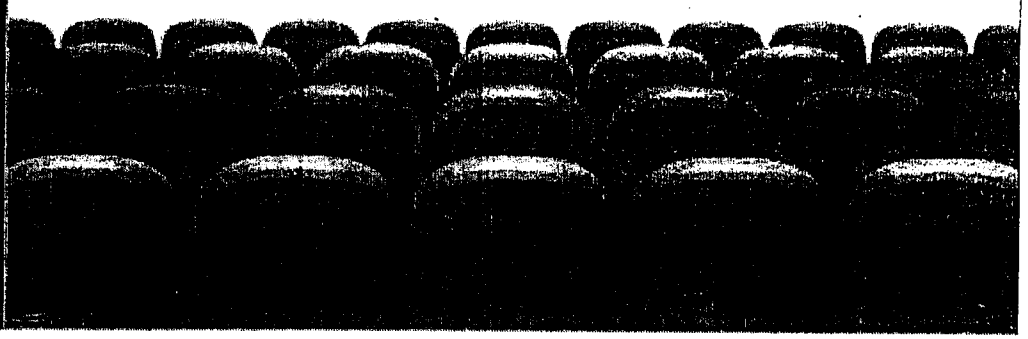

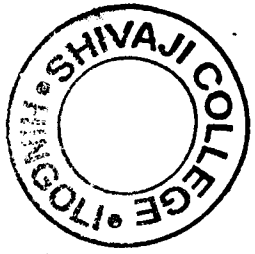

SHIVAJI COLLEGE HINGOLI

मूल्य : तीन सौ पचास रुपये मात्र

पुस्तक	:	समकालीन हिन्दी नाटकों में कथ्य और शिल्प
लेखक	:	डॉ. सुधीर वाघ
प्रकाशक	:	**विकास प्रकाशन** 311 सी., विश्व बैंक, बर्रा, कानपुर- 208027
संस्करण	:	प्रथम, 2021 ई.
आवरण-सज्जा	:	छपाईघर, ब्रह्मनगर, कानपुर
शब्द-सज्जा	:	शुभी कम्प्यूटर, कानपुर
मुद्रक	:	छपाईघर, ब्रह्मनगर, कानपुर
मूल्य	:	350/-
I S B N	:	978-93-90688-25-8

प्रिय पुत्र रोहन के लिए

T.C.
Assistant Professor
Shivaji College,Hingoli.
Tq.& Dist.Hingoli.(MS.)

PRINCIPAL
SHIVAJI COLLEGE
Hingoli Dist. Hingoli

विभिन्न दलों के उदात्त हेतु दिखाई नहीं दे रहे हैं।

समकालीन हिंदी नाटककारों ने राजनीतिक परिवेश की समस्याओं का गहन अध्ययन कर उसका सूक्ष्म और यथार्थ वर्णन किया है। राजनीतिक क्षेत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार पर जमकर कुठाराघात करने वाले हिंदी के राजनीतिक व्यंग्य नाटक अपनी यथार्थवादी शैली और शिल्प में मानवीय संवेदनाओं को निकटता के साथ लिखा जा रहा है और इसी प्रवृत्ति के कारण इन नाटकों में युगबोध और युग चेतना का भाव काफी गहरा है।

समकालीन हिंदी नाटककारों के नाटकों का महत्व कथ्य की दृष्टि से नहीं है। बल्कि इन नाटकों की शैली और शिल्प भी लचीला है अधिकांश हिंदी के राजनीतिक व्यंग्य नाटक ऐसे शिल्प में रचे गए हैं कि ये गली, मोहल्ले, चौराहे आदि जगहों पर खेले और दर्शकों द्वारा सराहे गए हैं।

डॉ. सुधीर गणेशराव वाघ
सहायक प्राध्यापक
हिन्दी विभागाध्यक्ष
शिवाजी महाविद्यालय,
हिंगोली-431513
महाराष्ट्र

PRINCIPAL
SHIVAJI COLLEGE
Hingoli Dist. Hingoli

अनुक्रम

1.	समकालीन शब्द का अर्थ और हिंदी नाटकों की विभिन्न प्रवृत्तियाँ	11-19
2.	समकालीन हिंदी नाटकों के विविध रूप	20-35
3.	ऐतिहासिक-पौराणिक कथ्य के व्यंग्य नाटक	36-65
4.	समकालीन राजनीतिक कथ्य के व्यंग्य नाटक	66-110
5.	उपलब्धि	111-118
	संदर्भ-सूची	119-123

T.C.
Bhawal
Assistant Professor
Shivaji College, Hingoli.
Tq.& Dist.Hingoli.(MS.)

094
093
089